संपादकीय

उर्जित आर्थिकी के प्रश्न

देश को हकीकत जानने का हक

आरबीआई के गवर्नर उर्जित पटेल ऐसे समय में संसद की स्टैंडिंग कमेटी के समक्ष पेश हुए जब केंद्रीय बैंक तथा वित्त मंत्रालय के बीच कई मुद्दों को लेकर गहरे मतभेदों की खबरें छन-छन कर बाहर आती रही हैं। सवाल केंद्रीय बैंक की स्वायत्तता का भी उठा और आरबीआई के आरक्षित कोष में सरकार के दावे को लेकर भी। जिन संवेदनशील मुद्दों पर स्थायी समिति स्पष्टीकरण चाह रही थी, उनमें आरबीआई में सुधार, सरकार के साथ तनाव, नोटबंदी व एनपीए से जुड़े सवाल, अर्थव्यवस्था से जुड़े हालात व चुनौतियां शामिल थीं। हालांकि, गवर्नर उर्जित पटेल ने संवेदनशील मुद्दों पर विवाद को टालने के लिये बेहद नपे-तुले शब्दों में फूंक-फूंक कर जवाब दिये। वहीं नोटबंदी को लेकर उनका मानना था कि अर्थव्यवस्था पर जो प्रभाव पड़ा, वह अस्थायी था। यद्यपि उन्होंने किसी भी क्षेत्र के लिये `डिट मानदंडों में राहत देने की बात नहीं मानी। सरकार के साथ आरबीआई के सेक्शन-7 पर विवाद के बारे में उर्जित पटेल ने कुछ नहीं कहा। इसके बावजूद वे किसी भी संवेदनशील मुद्दे पर बोलने से बचे। वहीं गवर्नर ने आरबीआई की चुनौतियों व विवादास्पद मुद्दों पर अगले दस-पंद्रह दिनों में लिखित जवाब देने का आश्वासन संसदीय समिति को दिया।

पूर्व केंद्रीय मंत्री एम. वीरप्पा मोइली की अध्यक्षता व पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह वाली 31 सदस्यीय समिति के सामने उर्जित पटेल ने माना कि वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल के दाम गिरने का फायदा देश की अर्थव्यवस्था को हुआ है और इससे चालू खाते का घाटा कम होगा। हालांकि यह तथ्य किसी से छिपा नहीं है कि आरक्षित कोष के आकार तथा लघु एवं मझोले उद्यमों के लिये कर्ज नियमों में ढील के मुद्दे पर बैंक व केंद्र सरकार में तनातनी चल रही थी बल्कि डिप्टी गवर्नर विरल आचार्य ने तो यहां तक कह दिया कि जिन देशों में केंद्रीय बैंक की स्वायत्तता कम की गई है, वहां अर्थव्यवस्था को नुकसान उठाना पड़ा है। दरअसल, सरकार को यह भरोसा था कि नोटबंदी से तीन-साढ़े तीन लाख करोड़ की मुद्रा चलन से बाहर हो जायेगी, जिसे बैंकिंग तरलता के लिये इस्तेमाल किया जा सकेगा। मगर 99 प्रतिशत करेंसी की वापसी से यह अनुमान विफल साबित हुआ, जिसकी पूर्ति के लिये सरकार बैंक के आरक्षित कोष की नकदी चाह रही थी। बाजार में नकदी की मांग बढ़ने पर पूर्ति के लिये अब आरबीआई ओपन मार्केट ऑपरेशन के तहत इस माह बैंकिंग सिस्टम में चालीस हजार करोड़ डालने जा रहा है।

इथोपिया में सैलरी न मिलने से नाराज स्टाफ ने आईएलएण्डएफएस के भारतीय कर्मचारियों को बनाया बंधक

नई दिल्ली (आरएनएस)। वित्तीय संकट का सामना कर रही इन्फ्रास्ट्रक्चर लीजिंग ऐंड फाइनैंशल सर्विसेज लिमिटेड (आईएलएण्डएफएस) के 7 भारतीय कर्मचारियों को अफ्रीकी देश इथोपिया में लोकल स्टाफ ने बंधक बना लिया है। ब्लूमबर्ग की रिपोर्ट के मुताबिक विदेश मंत्रालय बंधक बनाए गए कर्मचारियों के दावों की जांच कर रहा है। इन कर्मचारियों का दावा है कि कंपनी के 12.6 अरब डॉलर के लोन डिफॉल्ट के बाद लोकल स्टाफ को सैलरी नहीं मिली है, जिसके बाद उन्होंने इन्हें बंधक बना लिया है। 7 भारतीय कर्मचारियों को इथोपिया की 3 अलग-अलग जगहों पर 25 नवंबर से ही

बंधक बनाकर रखा गया है। इन कर्मचारियों द्वारा भेजे गए ई-मेल के मुताबिक इन्हें ओरोमिया और अहमरा स्टेट में बंधक बनाया गया है।

बंधक बनाए गए कर्मचारियों का कहना है कि भारतीय और स्पेनिश कंपनी के जॉइंट वेंचर द्वारा बनाई जा रही कुछ सड़क परियोजनाओं पर काम रोके जाने के बाद शायद स्थानीय कर्मचारी दहशत में आ गए। इनका कहना है कि स्थानीय अधिकारी और पुलिस भी लोकल स्टाफ का ही पक्ष ले रहे हैं। विदेश मंत्रालय और इथोपिया में भारतीय दूतावास के अधिकारी पूरे मामले पर नजर रखे हुए हैं। भारतीय दूतावास के एक अधिकारी ने बताया कि मामले पर करीबी नजर रखी जा रही है। मामले का समाधान निकालने के लिए इथोपिया के अधिकारियों और आईएलएण्डएफएस मैनेजमेंट के साथ वह संपर्क बनाए हुए हैं। वहीं, नई दिल्ली स्थित विदेश मंत्रालय के एक अन्य अधिकारी ने भी पुष्टि की है कि वे इस मामले को देख रहे हैं।

आईएलएण्डएफएस के प्रवक्ता ने ब्लूमबर्ग के सवालों पर कोई भी टिप्पणी करने से इनकार कर दिया है। वहीं, ओरोमिया के पुलिस कमिश्नर जनरल अलेमैयेहु एजिगु, डेप्युटी स्पोकपर्सन डेरेसा टेरेफ और अमहारा स्टेट के स्पोक्समैन निगुसु तिलाहुन ने 2-2 फोन कॉल्स और 2-2 टेक्स्ट मेसेज का तुरंत जवाब नहीं दिया है।

अध्ययन रिपोर्ट में खुलासा, कोयले से बिजली बनाना महंगा

नई दिल्ली (आरएनएस)। एक अध्ययन रिपोर्ट में खुलासा हुआ है कि कोयले से बिजली बनाना अधिक महंगा है। ऊर्जा के नवीकरणीय स्रोत भारत में नए कोयला आधारित बिजली संयंत्रों की तुलना में बेहद कम लागत में अधिक बिजली प्रदान कर सकते हैं और इसका लाभ करदाताओ को होगा। वित्तीय थिंक टैंक कार्बन ट्रैकर द्वारा गत वर्षों में कोयले की बिजली में आर्थिक और वित्तीय जोखिमों को पता लगाना नामक अध्ययन में कहा गया है कि कोयले की से बनने वाली बिजली के प्रयोग को समाप्त करने से उपभोक्ताओं और करदाताओं को फायदा होगा क्योंकि भारत एक विनियमित बाजार है जहां राज्य का समर्थन कम आमदनी वाले कारखानों को चलाने के लिए है।

इसमें कहा गया है कि हालांकि, भारत एक ऐसा देश है जो अंततः विनियमित बाजारों में निवेश जोखिम को कम करता है, जहां कोयले को प्रतिस्पधाजू से मुक्ति मिली हुई है। चीन, भारत, जापान और अमेरिका के कुछ हिस्सों में आमतौर पर उत्पादन लागत को मंजूरी दे दी जाती है और इसे उपभोक्ताओं से वसूला जाता है।

इसमें कहा गया है कि लंबी अवधि में कोयले का समथज़न करने से आथिज़क प्रतिस्पर्धा और सावज़्जनिक वित्त को खतरा होगा, क्योंकि राजनेताओं को कोयले की बिजली को सब्सिडी देने या उपभोक्ताओं के लिए बिजली बढ़ी कीमतों के बीच चयन करने के लिए मजबूर होना होगा। अध्ययन के अनुसार कोयला आधारित कारखानों को धीरे धीरे समाप्त करने से अरबों रूपये बच सकता है, लेकिन यह कोयले के मालिकों के मुनाफे को प्रभावित करेगा।

इंग्लैंड के लिए खेल सकते हैं आर्चर

लंदन (आरएनएस)। जोफ्रा आर्चर अगले साल होने वाले विश्व कप और एशेज सीरीज में इंग्लैंड टीम का हिस्सा बन सकते हैं। आर्चर को यह मौका इंग्लैंड एंड वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) द्वारा अपने टीम में खेलने की योग्यता वाले नियम

में बदलाव करने के बाद मिल सकता है। वेबसाइट ईएसपीएनक्रिकइंफो की रिपोर्ट के अनुसार, ईसीबी ने बैठक में अपने रेजिडेंशियल नियम में बदलाव किया है। पहले इंग्लैंड की राष्ट्रीय टीम में खेलने के लिए खिलाड़ी को सात साल इंग्लैंड में गुजराने होते थे जिसे बोर्ड ने कम कर तीन साल कर दिया है। आर्चर 2015 में इंग्लैंड आए थे और तब से वह इंग्लैंड की काउंटी ससेक्स से खेल रहे हैं। आर्चर मूलतः वेस्टइंडीज के बारबाडोस से हैं। उन्होंने वेस्टइंडीज के लिए अंडर-19 विश्व कप भी खेला है। ईसीबी ने एक प्रेस विज्ञप्ति में बताया है उसने देश में बाहर से आए खिलाड़ियों के लिए नियमों में बदलाव किए हैं। यह बदलाव एक जनवरी से 2019 से लागू होगा।

इस पर प्रतिक्रिया देते हुए आर्चर ने लिखा, यह हो सकता है और नहीं भी, लेकिन मैं अपने परिवार वालों के सामने पदार्पण कर खुश होऊंगा।

दूसरी तिमाही में 7.1 फीसदी रही जीडीपी की रफ्तार, पहली तिमाही के मुकाबले बड़ी गिरावट

नई दिल्ली (आरएनएस)। यूपीए दौर के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) आंकड़ों को लेकर मचे घमासान के बीच मोदी सरकार को भी बड़ा झटका लगा है। वित्त वर्ष 2018-19 की दूसरी तिमाही में अर्थव्यवस्था के विकास की रफ्तार घटकर 7.1 फीसदी हो गई है, जो पहली तिमाही में 8.2 फीसदी रही थी। हालांकि एक साल पहले की इसी तिमाही में यह आंकड़ा 6.3 प्रतिशत था।

सकल मूल्य वर्धन (जीवीए) पहली तिमाही के 8 फीसदी के मुकाबले 6.9 फीसदी रहा। जीवीए उत्पादक या आपूर्ति पक्ष से अर्थव्यवस्था की तस्वीर पेश करता है, जबकि जीडीपी उपभोक्ता या मांग पक्ष दिखाता है।

भारतीय स्टेट बैंक की रिपोर्ट में विकास दर 7.5 से 7.6 प्रतिशत रहने का अनुमान लगाया गया था। रॉयटर्स पोल में भी विशेषज्ञों ने पहली तिमाही के मुकाबले गिरावट का अनुमान लगाया था। सरकार की ओर से जारी एक अन्य डेटा में बताया गया कि अक्टूबर में आठ कोर सेक्टर्स में वृद्धि दर 4.8 फीसदी रही, जोकि सितंबर में 4.3 फीसदी थी।

आज का राशिफल

मेषः आज का दिन मध्यम फलदायी होगा। स्वभाव में उग्रता और जिद्दी व्यवहार पर नियंत्रण रखने की गणेशजी सलाह देते हैं। परिश्रम के बाद सफलता मिलने से मानसिक शांति मिलेगी।

वृषभः आज आपकी कार्य सफलता में दृढ़ मनोबल और आत्मविश्वास की भूमिका होगी। पिता की तरफ से लाभ होगा।

मिथुनः दिन की शुरुआत से ही ताजगी और स्फूर्ति का अनुभव करेंगे। भाग्यवृद्धि के अवसर आएंगे। तेजी से बदलते हुए विचार आपको परेशान कर सकते हैं।

कर्कः आज मन में थोड़ी हताशा के कारण आप खिन्नता अनुभव कर सकते हैं। परिवार में सदस्यों के साथ गलतफहमी या मनमुटाव हो सकता है।

सिंहः आत्मविश्वास तथा त्वरित निर्णय लेकर कार्य में आगे बढ़ सकेंगे। समाज में मान-प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। वाणी और क्रोध पर नियंत्रण रखें, अन्यथा हानि हो सकती है।

कन्याः आज आपका दिन शुभ है। घर में सुख-शांति रहेगी, जिससे मन प्रसन्न रहेगा। सुखप्रद घटनाएं घटेंगी। स्वास्थ्य बना रहेगा। बीमार व्यक्तियों के स्वास्थ्य में सुधार होगा।

तुलाः आज विविध क्षेत्र में लाभ मिलने से आप शारीरिक और मानसिक रूप से स्वस्थ और प्रफुल्लित रहेंगे। मित्रों से मुलाकात होगी और प्रवास का आयोजन आज बन सकता है।

वृश्चिकः आज आपके हरेक कार्य निर्विघ्न पूरे होंगे। गृहस्थ जीवन में आनंद छाया रहेगा। मान-प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। नौकरी-व्यवसाय में प्रगति होगी।

धनुः आज का दिन मिश्रित फलदायी रहेगा। आज स्वास्थ्य कुछ नरम-गरम रहने की आशंका है। शारीरिक रूप से आलस्य की भावना हो सकती है।

मकरः आज का दिन मध्यम फलदायी है। खान-पान का ध्यान रखें अन्यथा स्वास्थ्य खराब हो सकता है। व्यापारिक कार्यों के पीछे धन खर्च हो सकता है।

कुंभः आपका मन शांत और प्रसन्न रहेगा। भाई-बहनों के साथ अधिक मेल-जोल रहेगा। विपरीत लिंगीय व्यक्तियों के साथ परिचय और मित्रता होगी।

मीनः घर में सुख-शांति और आनंद का वातावरण बने रहने से आप अपने दैनिक कार्यों को आत्म-विश्वास पूर्वक अच्छी तरह कर सकेंगे, ऐसा गणेशजी कहते हैं।

लॉयन जैसी गेंदबाजी करना मूर्खतापूर्ण : अश्विन

सिडनी (आरएनएस)। भारत के स्टार ऑफ स्पिनर रविचंद्रन अश्विन ने कहा कि वह आस्ट्रेलियाई ऑफ स्पिनर नाथन लॉयन के गेंदबाजी की तारीफ करते हैं लेकिन उनके एक्शन जैसी गेंदबाजी करना मूर्खतापूर्ण होगा। क्रिकइंफो की रिपोर्ट के अनुसार, अश्विन ने यहां क्रिकेट आस्ट्रेलिया एकादश के साथ खेले जा रहे चार दिवसीय अभ्यास मैच के तीसरे दिन का खेल समाप्त होने के बाद शुक्रवार को संवाददाता सम्मेलन में यह बात कही। उन्होंने कहा कि वह लॉयन के गेंदबाजी की

प्रशंसा करते हैं लेकिन हर किसी का अपना-अपना तरीका होता है।

अश्विन ने कहा, हम दोनों ने एक ही समय टेस्ट करियर की शुरूआत की थी इसलिए निश्चित रूप से हम दोनों एक-दूसरे की तारीफ करते हैं। मुझे लगता है कि उन्होंने पिछले कुछ वर्षों से काफी अच्छी गेंदबाजी की है और वह अभी भी अच्छा कर रहे हैं। क्या मैं उनसे कुछ सीख सकता हूं। एक बार सीरीज शुरू हो जाए उसके बाद हम दोनों के बीच अच्छी प्रतिस्पर्धा देखने को मिलेगी।

उन्होंने कहा, किसी के एक्शन जैसी गेंदबाजी करना काफी मुश्किल है। हम यहां एक्शन और बायोमेकेनिक्स की बात कर रहे हैं और यह उस समय पूरी तरह मूर्खतापूर्ण हो जाती है जब कोई कहता है कि यह उनके जैसी स्पिन गेंदबाजी हैं। आप इशांत शर्मा को यह नहीं कह सकते हैं ना कि आप उसे फिलेंडर जैसी गेंदबाजी करेंगे। ऐसा नहीं हो सकता है ना।

भारतीय ऑफ स्पिनर ने कहा, आप अपनी ताकतों पर विश्वास करते हैं। मैंने अपने करियर में अब तक 336 के आसपास विकेट लिए हैं तो वहीं वह 300 के करीब विकेट हासिल कर चुके हैं। महत्वपूर्ण बात यह है कि आप अपना एक ही तरीका रखिए और कुछ चीजों को सीखिए।

सरकार ने केंद्रीय लोक उपक्रमों के ईटीएफ से 17,000 करोड़ रुपये जुटाए

नयी दिल्ली (आरएनएस)। सरकार ने सीपीएसई ईटीएफ की अनुवर्ती सार्वजनिक पेशकश (एफएफओ) के जरिए 17,000 करोड़ रुपये से अधिक जुटाए। घरेलू स्तर पर एक्सचेंज ट्रेडेड फंड (ईटीएफ) के जरिए यह अब तक जुटायी गयी सबसे बड़ी राशि है। सीपीएसई ईटीएफ के लिए जारी एफएफओ शुक्रवार को समाप्त हुआ। इसके लिये 20,000 करोड़ रुपये का अभिदान मिला जबकि निर्गम का कुल आकार 14,000 करोड़ रुपये था। सरकार ने 27 नवंबर को केंद्रीय लोक उपक्रमों के एक्सचेंज ट्रेडेड फंड की चौथी किस्त जारी की थी। एफएफओ खुलने के पहले दिन

बड़े निवेशकों ने उनके लिए आरक्षित शेयरों के मुकाबले 5.5 गुणा अधिक निर्गम के लिए बोली लगायी है। उन्होंने 13,300 करोड़ रुपये मूल्य की बोली लगायी। एक अधिकारी ने कहा, करीब 20,000 करोड़ रुपये का अभिदान प्राप्त हुआ है। हम सीपीएसई ईटीएफ एफएफओ से प्राप्त 17,000 करोड़ रुपये से थोड़ा अधिक अपने पास बनाये रखेंगे। पहले 8,000 करोड़ रुपये का निर्गम जारी किया गया था। इसके अलावा इसमें अधिक अभिदान आने पर 6,000 करोड़ रुपये की अतिरिक्त बोली स्वीकार करने का विकल्प (ग्रीन शू विकल्प) भी रखा गया। निर्गम का कुल आकार 14,000 करोड़ रुपये था। अधिकारी ने कहा कि और अधिक अभिदान रखने की गुंजाइश थी लेकिन इससे कुछ सरकारी कंपनियों में सरकार की हिस्सेदारी 53 प्रतिशत से नीचे आ जाती। सीपीएसई ईटीएफ में 11 सरकारी कंपनियों के शेयर शामिल हैं। इन कंपनियों में ओएनजीसी, कोल इंडिया, आईओसी, आयल इंडिया, पीएफसी, आरईसी, भारत इलेक्ट्रानिक्स शामिल हैं। ईटीएफ में नई कंपनियां एनटीपीसी, एसजेवीएन, एनएलसी तथा एनबीसीसी हैं।

पनीर टिक्का बनाने की विधि

पनीर से बने स्नैक्स बच्चों और बड़ों दोनों को बहुत पसंद होते हैं। मेहमानों की खातिरदारी भी पनीर के बिना अधूरी मानी जाती हैं, बात अगर पनीर टिक्का की हो तो इसका नाम सुनते ही मुंह में पानी आना स्वभाविक है। आइए घर पर इसे बनाने की आसान रेसिपी।

सामग्री

द कप दही
1 टीस्पून धनिया पाउडर
1 टीस्पून लाल मिर्च पाउडर
1/2 टीस्पून गर्म मसाला
1 टेबलस्पून तंदूरी मसाला पाउडर
2 टीस्पून नींबू का रस
नमक स्वाद अनुसार
1 टीस्पून लहसुन, अदरक का पेस्ट
1 टमाटर क्यूब में कटा हुआ
1 प्याज कटा हुआ
1 शिमला मिर्च कटी हुई
300 ग्राम पनीर टुकड़ों में कटा हुआ

विधि

1. सबसे पहले एक बाउल में पनीर, टमाटर, प्याज और शिमला मिर्च को छोड़कर बाकी सारी सामग्री डालकर मिक्स कर लें। 2. जब दही के साथ सारे मसाले मिक्स हो जाए तो इसमें पनीर, प्याज,टमाटर और शिमला मिर्च डाल कर मिक्स करें।
3. इसे 30 मिनट के लिए मेरीनेट होने के लिए रख दें।
4. लकड़ी की बनी स्टिक पर पनीर, शिमला मिर्च,प्याज को लगाएं और इस पर तेल की ब्रशिंग करें।
5. अब इसे धीमी आंच पर तवे पर पकाएं या फिर पहले से प्रीहीट किए हुए ओवन में रखें।
6. पनीर टिक्का बन कर तैयार है इसे हरी चटनी के साथ गर्मा-गर्म सर्व करें

हजार यज्ञों से भी अधिक फल देती है उत्पन्ना एकादशी, जानिए व्रत का महत्व

हिन्दू धर्म में एकादशी का बहुत महत्व है। हर साल 24 एकादशियां आती है। लेकिन मलमास या अधिकमास को मिलाकर इनकी संख्या 26 भी हो जाती है। मार्गशीर्ष मास के कृष्ण पक्ष के दिन उत्पन्ना एकादशी का व्रत किया जाता है। इस साल वर्ष 2018 में उत्पन्ना एकादशी व्रत 3 दिसंबर को है। सूतजी कहने लगे- हे ऋषियों! इस व्रत का वृत्तांत और उत्पत्ति प्राचीन काल में भगवान कृष्ण ने अपने परम भक्त युधिष्ठिर से कही थी, वही मैं तुमसे कहता हूं।एक समय यु?धिष्ठिर ने भगवान से पूछा था कि एकादशी व्रत किस विधि से किया जाता है और उसका क्या फल प्राप्त होता है? उपवास के दिन जो क्रिया की जाती है, आप कृपा करके मुझसे कहिए। यह वचन सुनकर श्री कृष्ण कहने लगे- हे युधिष्ठिर! मैं तुमसे एकादशी के व्रत का माहात्म्य कहता हूं। सुनो।

सर्वप्रथम हेमंत ऋतु में मार्गशीर्ष कृष्ण

एकादशी से इस व्रत को प्रारंभ किया जाता है। दशमी को सायंकाल भोजन के बाद अच्छी प्रकार से दातून करें ताकि अन्न का अंश मुंह में रह न जाए। रात्रि को भोजन कदापि न करें, न अधिक बोलें।

एकादशी के दिन प्रात- 4 बजे उठकर सबसे पहले व्रत का संकल्प करें। इसके पश्चात शौच आदि से निवृत्त होकर शुद्ध जल से स्नान करें। व्रत करने वाला चोर, पाखंडी, परस्त्रीगामी, निंदक, मिथ्याभाषी तथा किसी भी प्रकार के पापी से बात न करें।

स्नान के पश्चात धूप, दीप, नैवेद्य आदि 16 चीजों से भगवान का पूजन करें और रात को दीप दान करें। रात्रि में सोना या प्रसंग नहीं करना चाहिए। सारी रात भजन-कीर्तन आदि करना चाहिए।

जो कुछ पहले जाने-अनजाने में पाप हो गए हों, उनकी क्षमा मांगनी चाहिए। धर्मात्मा पुरुषों को कृष्ण और शुक्ल दोनों पक्षों की एकादशियों को समान समझना चाहिए।

जो मनुष्य ऊपर लिखी विधि के अनुसार एकादशी का व्रत करते हैं, उन्हें शंखोद्धार तीर्थ में स्नान करके भगवान के दर्शन करने से जो फल प्राप्त होता है, वह एकादशी व्रत के 16वें भाग के भी समान नहीं है। व्यतिपात के दिन दान देने का लाख गुना फल होता है। संक्रांति से 4 लाख गुना तथा सूर्य-चंद्र ग्रहण में स्नान-दान से जो पुण्य प्राप्त होता है, वही पुण्य एकादशी के दिन व्रत करने से मिलता है।

अश्वमेध यज्ञ करने से 100 गुना तथा 1 लाख तपस्वियों को 60 वर्ष तक भोजन कराने से 10 गुना, 10 ब्राह्मणों अथवा 100 ब्रह्मचारियों को भोजन कराने से हजार गुना पुण्य भूमि दान करने से होता है। उससे हजार गुना पुण्य कन्या दान से प्राप्त होता है। इससे भी 10 गुना पुण्य विद्या दान करने से होता है। विद्या दान से 10 गुना पुण्य भूखे को भोजन कराने से होता है। अन्न दान के समान इस संसार में कोई ऐसा कार्य नहीं जिससे देवता और पितर दोनों तृप्त होते हों, परंतु एकादशी के व्रत का पुण्य सबसे अधिक होता है।

हजार यज्ञों से भी अधिक इसका फल होता है। इस व्रत का प्रभाव देवताओं को भी दुर्लभ है। रात्रि को भोजन करने वाले को उपवास का आधा फल मिलता है और दिन में एक बार भोजन करने वाले को भी आधा ही फल प्राप्त होता है जबकि निर्जल व्रत रखने वाले का महात्म्य तो देवता भी वर्णन नहीं कर सकते।